पी.जी.डी.आई.बी.ओ

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.बी.ओ.)

सत्रीय कार्य

2011–12

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

सत्रीय कार्य 2011-12

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जनवरी 2011 और जुलाई 2011)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जनवरी 2011** में पंजीकृत हैं उनकी वैधता **दिसंबर 2011** तक है।
2. जो **जुलाई 2011** में पंजीकृत हैं उनकी वैधता **जून 2012** है।

आपको चाहिए कि आप इसे पूरा करके निम्नलिखित निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय को भेज दें।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इसे **30 अप्रैल** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **31 अक्टूबर** तक अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास अवश्य जमा कर दें।

नोट : **यदि आपको अध्ययन सामग्री और सत्रीय कार्य देर से मिलते हैं तो आप सामग्री मिलने के बाद एक मास तक सत्रीय कार्य के उत्तर को जमा कर सकते हैं।**

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ.-01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-01/टी.एम.ए./2011-12**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खंड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. प्रौधोगिकी हस्तांतरण का क्या औचित्य है? TNCs तथा लघु व मध्यम उद्यमों द्वारा प्रौधोगिकी हस्तान्तरण के विभिन्न गैर समता रुपों की व्याख्या कीजिए।

(6 + 14)

2. अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक कोष के उद्देश्य और कार्यों की व्याख्या कीजिए। अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक कोष द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न वित्तीय सहयोगों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

(4 + 4 + 12)

3. अ) विक्रय अनुबन्ध अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न निहित शर्तों की व्याख्या कीजिए।

   ब) नेमो डैट (Nemo Dat) नियम के विभिन्न अपवादों का विवेचन कीजिए।

(10 + 10)

4. निम्नलिखित में अंतर बताइए :

   अ) वैश्वीकरण और ग्लोकलाइजेशन

   ब) GATT और WTO

(10+10)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ कीजिए।

   अ) घरेलू परिवेश और विदेशी परिवेश में कोई अंतर नहीं है।

   ब) विनिमय दर में परिवर्तन किसी देश के चालू खाते के शेष को प्रभावित नहीं करता है।

   स) नैतिक दुविधाएं तथा नैतिक पतन में कोई अंतर नहीं है।

   द) सेवा क्षेत्र का औद्योगीकरण और आर्थिक विकास में उत्प्रेरित योगदान नहीं होता है।

(5 × 4)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ.-02**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-02/टी.एम.ए./2011-12**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खंड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. अन्तर्राष्ट्रीय बाजार के चयन में राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक धटक किस तरह प्रभाव डालते हैं?

(20)

2. उत्पाद जीवन चक्र के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए। यह किस प्रकार से उत्पाद नियोजन में सहायक है?

(10 + 10)

3. (क) विपणन मिश्र क्या है? विपणन मिश्र के धटकों की व्याख्या कीजिए। (10)

   (ख) अन्तर्राष्ट्रीय विपणन के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालिए। (10)

4. टिप्पणी कीजिएः

   (क) विदेश एजेंट

   (ख) संवर्धन मिश्रण

   (ग) विज्ञापन अनुरोध

   (घ) विपणन संबंध

(5 × 4)

5. निम्नलिखित में अन्तर बताइएः

   (क) धरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय विपणन नियोजन

   (ख) विलय और अधिग्रहण

   (ग) प्राथमिक डेटा और द्वितीय डेटा

   (ध) समरूप और विभेदी विपणन लक्ष्य

(5 × 4)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ.-03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**भारत का विदेश व्यापार**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-03/टी.एम.ए./2011-12**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खंड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भुगतान शेष का क्या अर्थ है? यह व्यापार शेष से किस प्रकार भिन्न है? भारत के भुगतान शेष की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(5 + 5 + 10)

2. विदेश व्यापार को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2005 में रेखांकित विशिष्ट संवर्धन उपायों का वर्णन कीजिए।

(20)

3. भारत का यूरोपियन यूनियन के साथ व्यापार पिछले दशक में किस प्रकार विकसित हुआ है, संक्षिप्त विश्लेषण कीजिए। यूरोपियन यूनियन के विस्तार के कारण भारत के साथ व्यापार पर संभावित प्रभाव क्या हो सकते हैं?

(10 + 10)

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
   (क) भारत द्वारा सेवाओं का निर्यात
   (ख) भारत–सार्क व्यापार संभावनाएँ

(10 + 10)

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए:
   (क) विश्व आर्थिक परिदृश्य विशेष रूप से पिछले एक दशक में तीव्रता से परिवर्तित हुआ है।
   (ख) विदेशी निवेश का लाभ यह है कि इसे प्राप्त करने वाले देश का कोई दायित्व नहीं होता।
   (ग) अन्तर्राष्ट्रीय वस्त्र तथा कपड़ा व्यापार की विशिष्टता उसको लम्बे समय से नियंत्रित करने का इतिहास है।
   (घ) ज्ञान एक ऐसा इंजिन है जो भविष्य में अत्यधिक तीव्रता से बढ़ते सेवा उद्योगों को संचालित करेगा।

(5 × 4)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ.-04**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**निर्यात - आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-04/टी.एम.ए./2011-12**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खंड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. विदेशी व्यापार नीति के उद्देश्य क्या हैं? निर्यात – आयात नीति के अंतर्गत आयात संबंधी सामान्य प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।

(4 + 16)

2. प्रलेखीय साख क्या है? साख पत्र व्यवस्था के अंतर्गत भुगतान प्राप्त करने की व्यावहारिक क्रियाविधि का प्रलेखीकरण के साथ वर्णन कीजिए।

(10 + 10)

3. (अ) जहाजी माल का बीमा के अंतर्गत बीमाकृत व्यक्ति के उत्तरदायित्व का विवेचन कीजिए।
   (ब) जहाजी माल का बीमा के अंतर्गत खुला संरक्षण की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(10 + 10)

4. निम्नलिखित में अंतर बताइए :
   (अ) लाइनर जहाजी सेवा तथा ट्रैम्प जहाजी सेवा
   (ब) सामुद्रिक जोखिम तथा युद्व जन्य जोखिम

(10 + 10)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ कीजिए।
   (अ) शुल्क अधिकार पास बुक योजना सीमा शुल्क के भार को निष्प्रभावित नहीं करता है।
   (ब) पैकिंग ऋण निर्यातकों को इस योग्य नहीं बनाता है कि वे निर्यात किए जाने वाले माल का क्रय, प्रक्रमण या विनिर्माण कर सकें।
   (स) कंटेनर द्वारा माल भेजने से निर्यातकों को कोई लाभ नहीं होता है।
   (द) निर्यात संवर्धन परिषदें निर्यातकों को विपणन सहायता प्रदान नहीं करता है।

(5 × 4)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ.-05**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अन्तर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-05/टी.एम.ए./2011-12**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खंड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भिन्न–भिन्न संगठनात्मक कार्यों के भिन्न–भिन्न हित होते हैं, जो लॉजिस्टिक्स प्रणाली के परस्पर विरोधी के लिये उद्देश्यों और आवश्यकताओं को पैदा करते है। इस कथन का वर्णन कीजिए और लॉजिस्टिक्स प्रणाली के विभिन्न महत्त्वों की विवेचना कीजिए।

(20)

2. (क) लदान बिल क्या है। इसके मुख्य कारणों की विवेचना कीजिए।

(ख) भारतीय नौपरिवहन उद्योग द्वारा सामना की जा रही बाहयताओं के संबंध में विवेचना कीजिए।

(10 + 10)

3. निम्नलिखित पर लघु टिप्पणी कीजिए।

(क) पंजिकरण की क्रिया विधि

(ख) टैरिफ

(ग) समुद्री धोखाधड़ी

(घ) शिपिंग एक्ट की मूलभूत विशेषताऐं (5 × 4)

4. निम्नलिखित में अंतर बताइएः

(क) जहाज मालिक ग्रहणाधिकार और समुद्री ग्रहणाधिकार

(ख) फ्लैट रैक कंटेनर और ओपेनटाप कंटेनर

(ग) भारी लिफ्ट और अधिक लम्बाई अधिभार

(घ) पुनः आर्डर स्तर (ROL) और पुनः आर्डर मात्रा (ROQ) (5 × 4)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त में टिप्पणी कीजिए।

(क) लॉजिस्टिक्स चर और लागत जटिल और अप्रत्यक्ष तरीके से परस्पर क्रिया करते हैं।

(ख) बहुप्रतिरूप परिवहन जस्ट इन टाइम (JIT) अर्थात त्वरित परिवहन ठीक समय की अवधारणा पर आधारित है।

(ग) सामान्य मर्चेन्डाइज व्यापारी अधिक उत्तम जहाजी सेवा का उपयोग करना चाहता है।

(घ) भाड़ा दर का संबंध ले जाए जाने वाले रास्ते से नहीं होता।

(5 × 4)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ.-06**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-06/टी.एम.ए./2011-12**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खंड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. व्यापार शेष व भुगतान शेष में विशिष्ट उदाहरणों के साथ अन्तर कीजिए। चालू खाता, पूंजी खाता व आधिकारिक रिजर्व खाता के मध्य अंतर संबंध को समझाइए।

(20)

2. (क) विदेशी विनिमय बाजार क्या होता है? उनके मुख्य कार्यों की विवेचना कीजिए।

   (ख) यदि कोई विदेशी अल्पकालीन भारतीय प्रतिभूति खरीदता है तो उसका रूपये की मांग एवं आपूर्ति पर क्या प्रभाव पड़ेगा? समझाइए।

(10 + 10)

3. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए.

   (क) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

   (ख) रियल आप्शन मूल्य

   (ग) पूंजी की भारित औसत लागत

   (घ) आर्थिक एक्सपोजर

(5 × 4)

4. विभिन्न राष्ट्रों में विभिन्न कंपनियों द्वारा अपनाई गई पूंजी संरचानायें भिन्न क्यों होती हैं ? उदाहरण के साथ विवेचन कीजिए। बाहरी कोषों के स्रोतों को भी समझाइए।

(10 + 10)

5. निम्नलिखित में अन्तर बताइए :

   (क) केन्द्रित रोकड़ प्रबंध और विकेंद्रित रोकड़ प्रबंध

   (ख) विदेशी बॉण्ड और यूरो बॉण्ड

(10 + 10)